Glorious Revolution

गौरवपूर्ण क्रांति या 1688 की क्रांति, इंग्लैंड राज्य में हुई एक धार्मिक-राजनैतिक क्रांति थी। गौरवपूर्ण क्रांति को रक्तहीन क्रांति के नाम से जाना जाता है क्योंकि यह शांतिपूर्वक संपन्न हुई थी। इंग्लैंड का राजा बदला, इंग्लैंड की शासन व्यवस्था बदली, पर कहीं खून का एक कतरा भी न गिरा। इंगलैंड के जेम्स द्वितिय द्वारा संसदीय संप्रभुता को चुनौती देने के फलस्वरूप ही इंग्लैंड राज्य में 1688 ई० में क्रांति हुई थी। राजा जेम्स द्वितिय को अपनी पत्नी रानी समेत अपने निरंकुश शासन संसद की अवहेलना करने तथा प्रोटेस्टेंट धर्म विरोधी करण गद्दी छोड़नी पड़ी थी। इस क्रांति के बाद विलियम तृतीय और मेरी द्वितिय को इंग्लैंड के सह शासक के रूप में राजा और रानी बनाया गया।

गौरवशाली क्रांति के फलस्वरूप इंग्लैंड में स्वच्छंद राजतंत्र का काल पूर्णतः समाप्त हो गया था। संसदीय शासन पद्धति की स्थापना हो जाने से जनसाधारण के अधिकार सुरक्षित हो गए थे। राजनीतिक एवं धार्मिक अत्याचार के भय से मुक्ति पा कर लोग आर्थिक विकास की ओर अग्रसर होने लगे थे।

ग्लोरियस रिवोल्यूशन ने एक संसदीय ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखी, जिसने विश्व-विश्व इतिहास में बड़ा रूप से प्रभावित किया।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
S. B. College, Ara
M.A. (SEM-3), Session-2021-2023
07-02-2024
Class- 1 (one)
Mob/WP: 8809947478
Email Id:- ukraisagaram@gmail.com